**प्रेस विज्ञप्ति**

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## पंतनगर में देश का 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

पंतनगर। 16 अगस्त, 2021। विश्वविद्यालय में देश का 75वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप, ने प्रातः 9:00 बजे गांधी मैदान में तिरंगा फहराया तथा उपस्थित शिक्षाकों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को देश की सेवा के लिए संकल्प दिलाया। उन्होंने असंख्य शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद किया, जिनके बलिदानों की नींव पर हमारा भारत स्वतंत्र रूप से खड़ा है। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में डा. तेज प्रताप ने पूर्व अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को याद किया और कहा कि उनके अथक प्रयास से ही हम विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट स्थान दिला पाये हैं।

उन्होंने कोरोना काल के दौरान पंचतत्वों में विलीन विश्वविद्यालय के कर्मियों की आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखा। उन्होंने बताया कि आजादी के 75 वर्ष के उपरान्त भी देश में निर्माण एवं विकास के लिए बहुत कुछ किया गया है और बहुत कुछ करने की जरूरत है तथा देश के नव निर्माण में हम भारतीयों की महत्वपूर्ण भूमिका एवं दायित्व सदैव से बना रहा है। उन्होंने कहा कि पूरा देश कोविड-19 महामारी से जुझ रहा है ऐसे में चाहिए कि हम वातावरण को स्वस्थ्य एवं हरा-भरा रखें। डा. प्रताप ने बताया कि पंतनगर एक ऐसा विश्वविद्यालय है जो देश के विकास में अपने कार्यों को गिना सकता है। पंतनगर राज्य स्तर का विश्वविद्यालय है, परन्तु इसकी गुणवत्ता राष्ट्रीय स्तर की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का निर्माण दो चार वर्ष के लिए नहीं बल्कि हजारों वर्षों के लिए किया जाता है। डा. प्रताप ने बताया कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी देश में ही नहीं बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान रखते है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का देश के विश्वविद्यालय की श्रेणी में प्रथम स्थान पर लाने का प्रयास करेंगे। इसके लिए नए शोध, नई शिक्षा प्रणाली एवं आवश्यक सेवाओं को और भी अधिक बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। डा. प्रताप ने कहा कि शिक्षण में नये आयाम को हासिल करते हुए विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है और इस वर्ष में हमने बहुत कुछ नया करते हुए, नयी उपलब्धियों को प्राप्त किया है, जिसमें सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। डा. प्रताप ने कहा कि देश की आर्थिक स्थिति सुधारने में कृषि वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिसमें विश्वविद्यालय अग्रणी रहा है।

अपने सम्बोधन में डा. तेज प्रताप ने सभी इकाईयों की उपलब्धियों पर उन्हें बधाई दी तथा कहा कि विश्वविद्यालय के सभी कार्मिक अपने पूर्ण सामर्थ्य के साथ विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने अपने भाषण का समापन तीन बार 'जय हिन्द' के नारे के साथ किया, जिसको उपस्थित जनों ने पूरे उत्साह के साथ दोहराया।

*विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य को सम्बोधित करते कुलपति, डा. तेज प्रताप।*